उल्लू

लाड अंकल ने इस बार हमारे लिए अपना उल्लुओं का खज़ाना खोला। ये सारी फोटो उन्होंने देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग समय पर खीचीं हैं। वैसे तो उनके पास हर फोटो का एक किस्सा है लेकिन यहाँ स्पॉट बिल्ड आउल का किस्सा सुनाते हैं:

मध्यप्रदेश के होशंगाबाद ज़िले में बोरी अभयारण्य है। वहाँ मैं पक्षियों की फोटो खींच रहा था। मेरी नज़र एक प्यारे से उल्लू पर पड़ी। मैंने सोचा रात में इसकी तस्वीरें खींचूँगा। उन्हीं दिनों वहाँ एक मादा भालू ने बच्चे दिए थे। इसलिए वो बड़ी चौकस रहती थी। कोई दिखता कि हमला करने को तैयार हो जाती। इसलिए खतरा था कि कहीं फोटो खींचते समय वो हमला न कर दे। पर मुझे तो फोटो लेनी ही थी। रात को मैं चार अन्य लोगों के साथ वहाँ गया। किसी के पास कोई हथियार न था। उन चारों ने मुझे घेर लिया। ताकि जैसे ही हमला हो सब इकट्ठे हो जाएँ। पर शायद भालू ने हमारी मंशा को भाँप लिया था और कुछ न कहा।

चित्र में देखो कितना प्यारा लग रहा है स्पॉट बिल्ड उल्लू। तो इन प्यारे-से, इतनी खूबियों भरे उल्लुओं को देख कोई तुम्हें उल्लू कहे तो नाराज़ न होना। मुस्कुरा कर कहना – शुक्रिया।

अपनी बड़ी-बड़ी आँखों की वजह से वे सीमित रोशनी में भी देख सकते हैं। आँखें पास-पास होने की वजह से उल्लुओं को एक दिशा का सँकरा हिस्सा ही दिखता है। पर उनकी एक खूबी इस कमी की भरपाई कर देती है- वो यह कि उल्लू अपनी गर्दन को लगभग पूरी तरह (270°) से घुमाकर पीछे का भी देख सकता है।

कूरैया या करेल उल्लू (बार्न आउल)

थर्कावी चुगद (कॉलर्ड स्कूप्स आउल)

ईगल उल्लू

अबराई का घुग्घु (ब्राउन फिश उल्लू)

स्कूप्स उल्लू

खूसटिया (स्पॉटिड आउलेट)

जंगली घुग्घ (फॉरेस्ट आउलेट)

भूरा बाज़ उल्लू (ब्राउन हॉक आउल)

स्पॉट बिल्ड उल्लू